INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: X	Department: Hindi	Date of submission: NA
Question Bank: 12	**Topic: अब कहाँ दूसरे के दुःख से दुखी होने वाले**	Note: Pl. file in portfolio

पाठ - **अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले - निदा फ़ाज़ली - (1938-2016)**

प्रश्न 1. बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों धकेल रहे थे?

उत्तरः बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे धकेल कर उसकी जमीन पर कब्जा करके उस पर बस्ती बसाने का षड्यंत्र कर रहे थे। इस प्रकार वे मनचाहा धन कमा रहे थे।

प्रश्न 2. लेखक का घर किस शहर में था?

उत्तरः लेखक का घर ग्वालियर में था।

प्रश्न 3. जीवन कैसे घरों में सिमटने लगा है?

उत्तरः जीवन छोटे-छोटे बंद डिब्बों जैसे घरों में सिमटने लगा है।

प्रश्न 4. कबूतर परेशानी में इधर-उधर क्यों फड़फड़ा रहे थे?

उत्तरः कबूतर परेशानी में इधर-उधर इसलिए फड़फड़ा रहे थे क्योंकि उनका एक अंडा बिल्ली ने तोड़ दिया और दूसरा लेखक की माँ के हाथ से गिरकर टूट गया।

प्रश्न 5. अरब में लशकर को नूह के नाम से क्यों याद करते हैं?

उत्तरः अरब में लशकर को नूह के नाम से इसलिए याद करते हैं क्योंकि नूह नामक पैगंबर का असली नाम लशकर ही था। अरब ने उसको नूह के लकब (पद सूचक नाम) से याद किया है। वह बहुत ही दयालु था।

प्रश्न 6. लेखक की माँ किस समय पेड़ों के पत्ते तोड़ने के लिए मना करती थी और क्यों?

उत्तरः लेखक की माँ सूरज ढलने के बाद पेड़ों के पत्ते तोड़ने से मना करती थी। उसे लगता था कि इस समय कोई पत्ते तोड़े तो वे रोते हैं और तोड़ने वाले को बद्दुआ देते हैं। किसी को कष्ट देना ठीक नहीं है।

प्रश्न 7. प्रकृति में आए असंतुलन का क्या परिणाम हुआ?

उत्तरः प्रकृति में आए असंतुलन का भयंकर दुष्परिणाम हुआ। पक्षियों ने बस्तियों से भागना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, भूकंप, बाढ़, तूफान आने शुरू हो गए। नित्य नए रोग होने लगे। प्रदूषण का खतरा बढ़ता चला जा रहा है।

प्रश्न 8. लेखक की माँ ने पूरे दिन का रोजा क्यों रखा?

उत्तरः लेखक की माँ ने स्टूल पर चढ़कर अंडे को बचाने की कोशिश की, पर इसी कोशिश में वह अंडा हाथ से गिरकर टूट गया। कबूतर फड़फड़ाने लगे। इस दृश्य को देखकर माँ की आँखों में आँसू आ गए। माँ बहुत ही दयालु थी। इस पछतावे के कारण उसने दिन-भर रोजा रखा तथा खुदा से अपना गुनाह माफ करने की प्रार्थना की।

प्रश्न 9. लेखक ने ग्वालियर से मुंबई तक किन बदलावों को महसूस किया? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः लेखक जब ग्वालियर में रहता था तो वहाँ सबके मन में सभी प्राणियों के लिए दया के भाव थे। पशु-पक्षियों के प्रति भी करुणा दिखाई जाती थी। मुंबई में तो जंगलों को काट कर और समुद्रों को धकेल कर बस्तियाँ बसाई जा रही थीं। इन जंगलों और समुद्रों में रहने वाले जीव-जंतुओं के प्रति कोई कुछ सोचता ही नहीं था।

प्रश्न 10. 'डेरा डालने' से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः 'डेरा डालने' से हमारा आशय है- अस्थाई घर बनाना। पाठ में बताया गया कि समुद्र के किनारे धनी बस्ती बस जाने के परिणामस्वरूप अधिकांश परिंदे तो यहाँ से चले गए हैं। जो पक्षी नहीं जा सके उन्होंने यहाँ-वहाँ अपना डेरा डाल लिया और रहने लगे ।

प्रश्न 11. शेख अयाज़ के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़कर क्यों उठ खड़े हुए?

उत्तरः शेख अयाज के पिता भोजन करने से पूर्व कुएँ पर नहाने गए थे। जब वे भोजन करने बैठे तो उन्होंने देखा कि उनके बाजू पर काला च्योंटा रेंग रहा है। शेख अयाज के पिता बहुत ही दयालु थे। उन्हें लगा कि यह उनके साथ कुएँ से आ गया है और बेघर हो गया है। इसे वापस कुएँ के पास छोड़ आना चाहिए। इसी इच्छा से वे भोजन छोड़कर उठ खड़े हुए।

प्रश्न 12. बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तरः बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर इस प्रकार प्रभाव पड़ाः इसने समंदर को पीछे सरकाया, पेड़ों को रास्ते से हटाया जिससे प्रदूषण बढ़ता गया तथा पंछियों ने बस्तियों से भागना शुरू कर दिया। कुल मिला कर बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा ।

प्रश्न 13. लेखक की पत्नी को खिड़की में जाली क्यों लगवानी पड़ी?

उत्तरः लेखक की पत्नी को खिड़की में जाली इसलिए लगवानी पड़ी ताकि घर के अंदर कबूतर न आ सकें। कबूतरों ने लेखक के फ्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया था। उनके बच्चे छोटे

थे, अतः वे उन्हें खिलाने-पिलाने के लिए दिन में कई बार घर में आते-जाते रहते थे। इससे घर के सभी लोग परेशान रहते थे। उनके आने जाने के स्थान को बंद कर दिया । अब वे कबूतर खिड़की के बाहर खामोश उदास बैठे रहते हैं।

प्रश्न 14. समुद्र के गुस्से की क्या वजह थी? उसने अपना गुस्सा कैसे निकाला?

उत्तरः मुंबई के बड़े-बड़े बिल्डरों ने समुद्र को धकेल कर बस्ती बना डाली। इससे समुद्र के लिए अपने पाँव फैलाना तक कठिन हो गया। अतः गुस्से में आकर उसने एक दिन विहार करते हुए तीन जहाजों को बच्चों की गेंद की तरह उछाल कर अलग-अलग दिशाओं में फेंक दिया।

प्रश्न 15. **'मट्टी से मट्टी मिले, खो के सभी निशान,**
किसमें कितना कौन है, कैसे हो पहचान'

इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: इस पद्यांश का आशय है- संसार में सब कुछ नश्वर है। मनुष्य अपने आप पर व्यर्थ ही अभिमान करता है। अंततः यह नष्ट होकर मिट्टी में ही मिल जाता है। मिट्टी में मिलकर उसका नामो-निशान तक मिट जाता है। अतः उसे कभी भी अभिमान नहीं करना चाहिए।

प्रश्न 16. नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है। नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले मुंबई में देखने को मिला था। आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः प्रकृति एक सीमा तक सब कुछ सहन करती है। जब मनुष्य प्रकृति से अधिक छेड़छाड़ करता है तो प्रकृति उसे अवश्य ही दंडित करती है। प्रकृति का यह क्रोध कुछ सालों पहले मुंबई के समुद्र तट पर देखा गया था। तब समुद्र की लहरों ने तीन जहाज़ों को गेंद की तरह हवा में उछाल दिया था। ये तीनों जहाज बुरी तरह औंधे मुँह गिर कर चकनाचूर हो गए थे।

प्रश्न 17. 'जो जितना बड़ा होता है, उसे उतना ही कम गुस्सा आता है।' गद्यांश के आधार पर आशय स्यष्ट कीजिए।

उत्तरः समुद्र के गुस्से की मुख्य वजह थी उसका सिमटना। मुंबई के बड़े-बड़े बिल्डरों ने समुद्र की जमीन छीनकर बस्ती बना डाली थी। इससे समुद्र के लिए अपने पाँव फैलाना तक कठिन हो गया। अतः गुस्से में आकर उसने तीन जहाजों को बच्चों की गेंद की तरह उछाल कर बड़ी जोर से अलग-अलग दिशाओं में फेंक दिया। जिससे वे औंधे मुँह गिरकर टूट-फूट गए।

प्रश्न 18. 'इस बस्ती ने न जाने कितने परिदों-चरिदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए है। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है।' आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः समुद्र के किनारे बसाई गई ईंट-पत्थरों के मकानों की बस्ती ने पक्षियों को बेघर कर दिया है। अब वहाँ पेड़ नहीं रह गए है जहाँ ये पक्षी अपना घोंसला बनाया करते थे। उसने उन्हें घर से बाहर कर दिया है। कुछ पक्षी शहर छोड़कर दूर चले गए हैं। हाँ, जो यहाँ से जा नहीं सके हैं उन्होंने यहीं-कहीं अपने रहने की जगह ढूँढ़ ली है।

प्रश्न 19. शेख अयाज़ के पिता बोले, 'नहीं, यह बात नहीं है। मैंने एक घरवाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुएँ पर उसके घर छोड़ने जा रहा हूँ।' इन पंक्तियों में छिपी हुई उनकी भावना/आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः शेख अयाज एक परोपकारी व्यक्ति थे। वे भोजन छोड़कर उठ खड़े हुए तो उनकी पत्नी ने पूछा कि क्या भोजन अच्छा नहीं बना। तब उन्होंने कहा- "नहीं, यह बात नहीं है। मेरे शरीर पर जो काला च्योंटा आ बैठा है, मैंने उसे बेघर कर दिया है। मैं पहले उसे उसके घर छोड़कर आऊँगा। तब भोजन करूँगा। इससे उनकी जीवों के प्रति प्रेम की भावना प्रकट होती है।

प्रश्न - निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

ग्वालियर से मुंबई की दूरी ने संसार को काफी कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए है। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है। इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है। बच्चे अभी छोटे हैं। उनके खिलाने-पिलाने की जिम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है। वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं। और क्यों न आएँ-जाएँ आखिर उनका भी घर है। लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है। वे कभी किसी चीज को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्जा गालिब को सताने लगते हैं। इस रोज-रोज की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

(क) लेखक पहले कहाँ रहता था और अब कहाँ रहने लगा है?

(i) मुंबई ग्वालियर (ii) वर्सोवा ग्वालियर (iii) मुंबई वर्सोवा (iv) ग्वालियर मुंबई

(ख) लेखक जब वर्सोवा रहने आया तो वहाँ स्थिति कैसी थी?

(i) प्राकृतिक वातावरण समृद्ध था (ii) आधुनिक सुविधाओं से भरपूर वातावरण था
(iii) हवा-पानी की पर्याप्त सुविधा थी (iv) अड़ोस-पड़ोस बहुत अच्छा था

(ग) कबूतरों की उदासी का कारण था -
(i) वे अपने बच्चों को खाना नहीं दे पाते थे (ii) घर में अंदर जाने के रास्ते बंद हो जाते थे
(iii) बच्चे जाली के पीछे रह गए थे (iv) बच्चे जाली से बाहर आना चाह रहे थे

(घ) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए:
कथनः लेखक की पत्नी ने कबूतरों के घोंसले का स्थान बदल दिया।
कारणः वे घर के अंदर घुसकर टेबल-पुस्तकें आदि गंदी कर देते थे।
विकल्पः
(i) कथन सही है, किंतु कारण गलत है।
(ii) कथन तथा कारण दोनों गलत है।
(iii) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।
(iv) कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है।

(ङ) गद्यांश के आधार पर बढ़ते शहरीकरण का क्या दुष्परिणाम निकला?
(i) पर्यावरण दूषित हो गया (ii) जीवन फ्लैटों में सिमट गया
(iii) जीव-जंतु घर से बेघर हो गए (iv) समुद्र किनारे घनी आबादी बस गई